भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 356

दिनांक 08 **दिसंबर**, 2022

जैव ईंधन की बिक्री करने वाले पेट्रोल पंप

356. **श्री शंकर लालवानी**:
डॉ. भारतीबेन डी. श्याल:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में देश में जैव ईंधन की बिक्री करने वाले पेट्रोल पंपों की संख्या कितनी है;

(ख) ऐसे पंपों की संख्या में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने की संभावना है; और

(ग) पेट्रोल के साथ ई20 ईंधन मिलाने के लाभ का ब्यौरा क्या है और इससे देश को प्रत्येक वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होने की संभावना है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(**श्री रामेश्वर तेली**)

(क) आज की तिथि के अनुसार, देश भर में जैवईंधनों की बिक्री करने वाले खुदरा बिक्री केन्द्रों की संख्या निम्नवत है -

संपीडित जैव गैस (सीबीजी) की बिक्री करने वाले आरओज़ की संख्या - 90

ई100 की बिक्री करने वाले आरओज़ की संख्या - 3

इसके अलावा, पूरे देश में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री की जाती है।

(ख) सरकार ने दिनांक 8 नवंबर, 2019 के संकल्प के माध्यम से परिवहन ईंधनों के विपणन को अधिकृत करने के लिए दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। अधिकृत कम्पनियों से उनके प्रस्तावित खुदरा बिक्री केन्द्रों पर उक्त खुदरा बिक्री केन्द्र के प्रचालन के तीन वर्षों के भीतर बायोईंधन सहित कम से कम एक नई पीढ़ी के वैकल्पिक ईंधन के विपणन की सुविधा स्थापित करने की अपेक्षा की गई है बशर्ते कम्पनी विभिन्न अन्य सांविधिक दिशानिर्देशों का पालन करती हो।

(ग) ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), इंडियन इंस्टी यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) एवं सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) द्वारा किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि सामान्य पेट्रोल की तुलना में ई20 मिश्रण से कार्बन मोनो ऑक्साइड के उत्सर्जन में दुपहिया वाहनों में लगभग 50% की कमी और चार पहिया वाहनों में लगभग 30% कमी पाई गई है। इसके अलावा दुपहिया वाहनों और चार पहिया वाहनों, दोनों में सामान्य पेट्रोल की तुलना में हाइ ोकार्बन उत्सर्जन में 20% तक कमी पाई गई।

विदेशी मुद्रा की वास्तविक बचत संबंधी कोई पुख्ता अनुमान नहीं है क्योंकि यह विभिन्न कारकों जैसे कच्चे तेल का मूल्य और प्रचलित मुद्रा विनिमय (फॉरेक्स) दर आदि पर निर्भर करता है। तथापि, एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई), 2021-22 (ईएसवाई - 1 दिसंबर से 30 नवंबर) के दौरान 15 नवंबर, 2022 तक पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण से कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात बिल पर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रभाव होने की संभावना है।

****